शोध मंथन

हिन्दी शोध (पत्रिका)

शोध मंथन में समाज, साहित्य, कला, राजनीति, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, पुस्तकालयविज्ञान, पत्रकारिता शिक्षा, कानून, इतिहास, दर्शन, महिला शिक्षा, महिला जगत, पुरूष, बाल जगत आदि के जुड़े विषय पर उत्कृष्ट, मौलिक, तरूपरक, वैज्ञानिक पद्धति से युक्त व प्रासंगिक उच्चस्तरीय शोधपत्रों को प्रकाशित किया जाता है।

सम्पादकः

डॉ0 (के0) अन्जुला राजवंशी,

एसो0 प्रो0, आर0 जी0 पी0जी0 कॉलिज, मेरठ

shodhmanthaneditor@gmail.com

सम्पादकीय समिति

डॉ0 सुनीता बडोला, एच0 एन0 ब0, गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर

डॉ0 सौरभ कुमार, असि0 प्रो0, हिन्दी विभाग, सतीश चन्द्र धवन राजकीय महाविद्यालय, लुधियाना

डॉ0 सत्यवीर सिंह, असि0 प्रो0, समाजशास्त्र विभाग, चौ0 जी0 एस0 गर्ल्स डिग्री कालिज, सहारनपुर

डॉ0 विनोद कालरा, अध्यक्षा, हिन्दी विभाग, कन्या महाविद्यालय, जालन्धर

डॉ0 अनामिका, असि0 प्रो0, एन0 के0 बी0 एम0 जी0 पीजी कॉलिज, चंदौसी

डॉ0 गौरी मानिक मानसा, असि0 प्रो0, वी0 एस0 क0 विश्वविद्यालय, बालारी

डॉ0 साहब सिंह, मौलाना आजाद उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद

डॉ0 पूजा खन्ना, पूर्व प्रवक्ता, के0 जी0 पी0 जी0 कॉलिज, मुरादाबाद

डॉ0 कामना कौशिक, असि0 प्रो0, सी0 एम0 के0 नेशनल पी0 जी0 गर्ल्स कॉलिज, सिरसा हरियाणा

- शोध मंथन त्रि–मासिक जर्नल है।
- शोध मंथन में पूर्व प्रकाशित लेख व पत्र प्रकाशित नहीं किये जाते।
- शोध मंथन के प्रबन्ध सम्पादक पूर्व निर्धारित हैं। यथा समय अतिथि सम्पादक चयनित किये जाते हैं।
- प्रकाशित सामग्री का कॉपी राइट जर्नल अनु बुक्स, मेरठ का है।
- अपना शोध पत्र प्रकाशित करवाने के लिये ई–मेल के द्वारा अपने पूर्ण पते के साथ भेजे
- सम्पादकीय समिति का निर्णय अन्तिम होगा।
- **Authors are responsible for the cases of plagiarism.**

Published by JOURNAL ANU BOOKS in support of
KAILBRI INTERNATIONAL EDUCATIONAL TRUST
Printed by D.K. Fine Art Press Pvt. Ltd., New Delhi.

हमारे यहॉ लेख प्रकाशित करने का कोई मूल्य नहीं लिया जाता हैं।

Subscription

India	Rs. 600.00 प्रति अंक	Rs. 2400.00 वार्षिक
Foreign	$60.00	$ 250.00 वार्षिक

ISSN: (P) : 0976-5255 (e) : 2454-339X
Impact Factor 5.463 (SJIF)

शोध मंथन

हिन्दी शोध पत्रिका

A Peer Reviewed & Refereed International Journal in Hindi

Vol. 9 No. 3 Part 1&2 **Sep. 2018**

U. G. C. Approved List No. 40908

https://doi.org/10.31995/shodhmanthan

अनुक्रमणिका

1. **खाद्यान समस्याः कारण एवं निवारण** 1
डॉ. अनूप सिंह सांगवान

2. **बाजार का समाजशास्त्रः बदलते हुये ग्रामीण प्रतिमान** 10
हरिनन्दन कुशवाहा, डॉ0 विनीता लाल

3. **किशोरों की बुद्धि लब्धि एवं उनके लिंग के मध्य सम्बन्ध** 16
डॉ. श्वेता शर्मा

4. **आर्थिक सुधार में भारतीय बैंकिंग का योगदान** 23
डॉ. मो0 सनउवर अली

5. **संघीय व्यवस्था में राज्यपालों की भूमिकाः विविध वैधानिक पहलुओं का अध्ययन (उ0 प्र0 के विशेष सदर्भ में)** 32
डॉ. आशुतोष पाण्डेय

6. **चित्रकार सतवंत सिंह के रेखाचित्रों का अद्भुत संसार** 38
डॉ. कविता सिंह

7. **लोकतंत्र एवं निर्वाचन सुधार : चुनौतियाँ एवं समाधान** 43
इम्तियाज अहमद

8. **जयप्रकाश नारायण – समाजवाद से सर्वोदय की ओर** 50
डॉ. किशोर कुमार, डॉ0 अनिल कुमार सिंह

9. **महाविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत् महिला कबड्डी खिलाड़ियो के शारीरिक एवं शरीर क्रियात्मक चरों पर योग का प्रभाव** 57
डॉ. जितेन्द्र कुमार बालियान

10. धूमिल के काव्य में सामाजिक चेतना 63
डॉ. उपासना
11. जल प्रदूषण का मानव जीवन पर प्रभाव एवं नियंत्रण 72
डॉ. आसमां परवीन
12. जनता पार्टी का गठन और चुनाव एवं कर्पूरी ठाकुर 82
डॉ. हरि मोहन कुमार
13. भारत–चीन सम्बन्ध (वर्तमान सन्दर्भ में) 89
कु. सोनिया वर्मा
14. प्रव्रजन एवं जीवन पद्धति
(निरन्तरता एवं परिवर्तन के विशेष सन्दर्भ में) 97
डॉ. श्वेता लोहानी
15. भारत में समाचारपत्रों का इतिहास, विकास एवं महत्व 109
डॉ. सीमा देवी, कुलदीप
16. भारत में समरसता : नरेन्द्र मोदी 116
डॉ. शिवाली अग्रवाल
17. वार्षिक ऋण योजना में राजस्थान के कृषि उत्पादन में
कृषि ऋणों का प्रभाव 124
श्रवण कुमार
18. कल्याणकारी अर्थव्यवस्था में डॉ0 भीमराव अम्बेडकर
के विचारों एवं अधिकारों का विश्लेषण 131
डॉ. सीमा देवी
19. भारत में बालिका शिक्षा : एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण 140
सुनील कुमार
20. राजनैतिक दल एवं युवा संगठन : मुद्दे एवं पारस्परिक सम्बन्ध 147
शालिनी यादव
21. राष्ट्रवाद पर गांधी जी के विचारों का अंवलोकन 156
कुमारी गुलशन
22. डॉ0 लोहिया एवं डॉ0 अम्बेडकर की दृष्टि में भारत विभाजन 163
डॉ. मनोज कुमार
23. वैदिक और आधुनिक समाज में पुरूषार्थ की अवधारणा 170
कल्पना बेहेरा
24. तंत्रयोग में निहित विभिन्न ध्यान पद्धतियों में नाद 178
अंकित शर्मा

25. सूफी संगीत में आध्यात्मिकता 187
डॉ. शम्पा चौधरी
26. प्राचीन भारत मे मौर्य प्रशासन की प्रासंगिकता 192
डॉ. भूकन सिंह
27. भारतीय समाज के वृद्धजन का समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण 199
डॉ. रवीन्द्र बन्सल
28. सामाजिक समानता एवं कार्यशील महिलायें 202
डॉ. मालती
29. नरेंद्र मोदी सरकार की विदेश नीति पर कौटिल्य के मंडल सिद्धांत का प्रभाव 209
डॉ. भूपेन्द्र प्रताप सिंह
30. कुमाऊँ में बलि–प्रथा का अस्तित्व 217
डॉ. संजय कुमार पन्त
31. भारतीय ग्रामीण समाज में महिला सशक्तिकरण 225
डॉ. शान्ती स्वरूप
32. हिन्दी उपन्यासों में थर्ड जेण्डर विमर्श 230
डॉ. रीना सिंह
33. सल्तनत काल में संगीत 236
डा. अनीता कश्यप
34. भारतीय सांगीतिक परम्परा : एकअवलोकन 241
डॉ. रूचिमिता पाण्डे
35. बढ़ते बाल अपराधः घटता पारिवारिक समाजीकरण (एक अध्ययन) 247
डा. अरविन्द सिंह
36. ब्रिटिश भारत में संविधानिक प्रक्रिया का विकास 253
डॉ० अजयपाल सिंह
37. उत्तर कोरिया की नाभिकीय शक्ति का अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव 260
सत्येन्द्र कुमार
38. साहित्य शास्त्र में औचित्य–विचार ऐतिहासिक अनुदृष्टि 266
डॉ0 इन्दिरा जुगरान
39. धर्मवीर भारती की गद्य कृतियों में सामाजिक संरचना के रचना–घटक और भाषा 273
डॉ0 पूनम

40. महिला उद्यमिता एवं आर्थिक विकास **277**
डॉ0 धनंजय शरण, डॉ0 वीरेन्द्र सिंह
41. पर्यावरण संरक्षण हेतु स्वतन्त्रता के पश्चात किये गये प्रयास **284**
मीरा ठाकुर
42. समाजिक न्याय और आरक्षण **288**
डॉ० विनीता गुप्ता
43. भारतीय परिवारों में वृद्धों की स्थिति (जनपद बिजनौर का समाजशास्त्रीय अध्ययन) **294**
डॉ० गौतम बनर्जी
44. 'श्रीमद्भगवद्गीता' के अध्याय पन्द्रह के आलोक में भगवान् की विभूतियों का वर्णन **301**
डॉ० रंजना अग्रवाल
45. गौतम, बौधायन एवं आपस्तम्ब में संस्कार **310**
डॉ० रीना